GURU KASHI UNIVERSITY

Master of Arts in Hindi

Session: 2023-24

Department of Hindi

GRADUATE OUTCOMES OF THE PROGRAMME

भाषिक क्षमता के विकास से अध्येता की शोध-दृष्टि विकसित होगी और अभिव्यक्ति क्षमता प्रभावशाली होगी, सांस्कृतिक संचेतना के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के परिणामस्वरूप सांस्कृतिक उत्थान संभव होगा जिससे न केवल वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठा होगी वरन् जीवन-जगत् की समस्याओं का श्रेष्ठ विकल्प भी उपस्थित होगा एवं मानवता की मुक्ति और सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में शिक्षा का उपयोग होगा।

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र साहित्य की प्राचीन एवं नवीन साहित्यिक विधाओं का विवेचन-विश्लेषण एवं मूल्यांकन करके नवीन साहित्य सृजन में प्रवृत्त होंगे ।
2. छात्र वैश्वीकरण के दौर में प्रचलित नई सम्भावनाओं पर ध्यान केन्द्रित करेंगे और उन सम्भावनाओं का प्रत्येक विधा से सम्बन्ध स्थापित करेंगे ।
3. छात्र जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के माध्यम से हिंदी की उपादेयता तथा प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्र में नई सम्भावनाओं की तलाश करेंगे ।
4. छात्र भाषा विज्ञान, अनुवाद विज्ञान, शैली विज्ञान, सौंदर्यशास्त्र, लोक साहित्य, ललित साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण से परिचित होकर सामाजिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य से सम्बन्ध स्थापित करेंगे ।
5. साहित्य के माध्यम से छात्र स्थापित शाश्वत जीवन-मूल्यों की प्रासंगिकता को समझते हुए साहित्य में कल्याणकारी भावनाओं का समावेश करेंगे ।
6. छात्र साहित्य के विकासक्रम का अवलोकन करते हुए व्यष्टि एवं समष्टि के रूपाकार में कार्य को समुचित आकार प्रदान करेंगे ।

Programme Structure

Semester – I						
Course Code	**Course Title**	**Type of Course**	**L**	**T**	**P**	**Credit**
MHD110	Hindi Sahitya Ka Itihas**:** Aadikal se purvaMadhykaltak	Core	4	0	0	4
MHD111	Bhartiya Kavyashastra	Core	4	0	0	4
MHD112	Bhakti Kavya	Core	4	0	0	4
MHD113	PrayojanmulakHindievam Sampreshan Kaushal	Skill Based	2	0	0	2
MHD114	Anuvad Vigyan	Skill Based	2	0	0	2
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD106	Aadhunik Gadya Sahitya	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD107	Hindi Katha Sahitya					
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD108	Hindi Stri Lekhan evam Dalit Sahitya	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD115	Hindi Aalochana aur aalochak					
Total			**22**	**0**	**0**	**22**

Semester- II						
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credit**
MHD209	Hindi Sahitya Ka Itihas: Uttar Madhyakal se aadhunik kal tak	Core	4	0	0	4
MHD210	Hindi Bhasha Vigyan	Core	4	0	0	4
MHD211	Aadhunik Hindi Kavya	Core	4	0	0	4
MHD212	Srijanatmak Lekhan	Technical Language Skill	1	0	2	2
MHD213	Samkalin Hindi Kavya	Ability enhancement	2	0	0	2
MHD216	Media Lekhan	Value Added Course	2	0	0	2
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD214	Riti Kavya	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD206	Punjab ka Hindi Sahitya					
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD207	Premchand (vishesh Adhyayan)	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD215	Mohan Rakesh (vishesh Adhyayan)					
Total			**23**	**0**	**2**	**24**

Semester–III						
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credit**
MHD310	Research Methodology	Compulsory Foundation	4	0	0	4
MHD398	Research Proposal	Research based skill	0	0	8	4
MHD312	Ethics and IPR	Research Skill	2	0	0	2
MHD397	Proficiency in Teaching	Skill Based	2	0	0	2
MHD314	Computer Lab	Skill Based	0	0	4	2
MHD396	Service Learning	Community Linkage	0	0	4	2
MHD399	XXX	MOOC	-	-	-	4
Total			**8**	**0**	**16**	**20**

Semester-IV						
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credit**
MHD401	Dessertation	Research Based Skill	--	--	--	20
Total			--	--	--	**20**

Continuous Assessment: [25 Marks]

CA1 – Surprise Test (Two best out of three) (10 Marks)
CA2 – Assignment(s) (10 Marks)
CA3 – Term Paper/Quiz/Presentation (05 Marks)

A. Attendance**:** [5 marks]
B. Mid Semester Test: [30 Marks]
C. End-Term Exam: [40 Marks]

Semester - I

Course Title: हिंदी सहित्य का इतिहास: आदिकाल से पूर्व मध्यकाल तक

Course Code: MHD110

L	T	P	Cr.
4	0	0	4

Learning Outcomes

Total Hours: 60

इस प्रश्नपत्र को पूरा करने के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
2. आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।
3. रासो काव्य परम्परा, सूफी दर्शन और उसकी विशेषता, हिंदी काव्य परम्परा में उसका विकास एवं विशिष्ट सूफी कवियों का परिचय प्राप्त कराना।
4. भक्ति साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।

Course Content

भाग (क)

15 Hours

1. हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन
2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
3. हिंदी सहित्योतिहास की आधारभूत सामग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएँ
4. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

भाग (ख)

15 Hours

1. आदिकाल : पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ
2. रासो काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
3. पृथ्वीराज रासो : प्रामाणिकता का प्रश्न
4. सिद्ध साहित्य :परम्परा और प्रवृत्तियाँ
5. नाथ साहित्य :परम्परा और प्रवृत्तियाँ
6. जैन साहित्य :परम्परा और प्रवृत्तियाँ
7. अमीर खुसरो की हिंदी कविता
8. आदिकालीन गद्य साहित्य

भाग (ग)

15 Hours

1. भक्ति आन्दोलन : उदय के ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कारण
2. हिंदी संतकाव्य का वैचारिक आधार
3. संतकाव्य परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कबीर, नानक, दादू, रैदास)
4. हिंदी सूफी काव्य का वैचारिक आधार
5. सूफी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कुतुबन, मंझन, जायसी)

भाग (घ)

15 Hours

1. रामकाव्य का वैशिष्ट्य
2. तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ
3. कृष्ण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
4. कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय
5. भक्तिकाल : स्वर्णयुग
6. भक्ति काव्य

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (डॉ.) गणपति चंद्र. "हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास" लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1991.*
- *डॉ. नगेन्द्र (सं) "हिंदी साहित्य का इतिहास" मयूर पेपरबैक्स : नोएडा, चौबीसवाँ संस्करण. 1999.*
- *शुक्ल, रामचंद्र, "हिंदी साहित्य का इतिहास" नागरी प्रचारिणी सभा : वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण. 2006.*
- *चतुर्वेदी रामस्वरूप "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास" लोकभारती प्रकाशन: इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *मंगललालचंद गुप्त "हिंदी साहित्य का इतिहास" यूनिवर्सिटी बुक सेंटर :कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999.*
- *'साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप', साहित्य सदन : कानपुर*
- *राजे, डॉ. सुमन (1986). 'साहित्येतिहास आदिकाल', साहित्य सदन : कानपुर*

वेब सर्च :

- *https://mycoaching.in/hindi-sahitya*
- *https://hindishri.com/aadikal/*
- *https://hindishri.com/category/hindi-sahitya-ka-itihas/%E0%A4%AD%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B2/*

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code: MHD111

L	T	P	Cr.
4	0	0	4

Learning Outcomes **Total Hours: 60**

इस प्रश्नपत्र को पूरा करने के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र भारतीय काव्यशास्त्रके विकासक्रम का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. छात्र शब्द-शक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्रके सिद्धांतों में साम्य-वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. भारतीय काव्यशास्त्र अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

Course Content

भाग (क) **15 Hours**

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय
2. काव्य का स्वरूप: काव्य का प्रयोजन, काव्य हेतु और काव्य भेद, महाकाव्य, खंड काव्य, गीति काव्य

भाग (ख) **13 Hours**

1. शब्द शक्तियाँ: अभिधा शब्द शक्ति, लक्षणा शब्द शक्ति, व्यंजना शब्द शक्ति

भाग (ग) **17 Hours**

1. रस सिद्धांत: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
2. अलंकार सिद्धांत: मूल स्थापनाएँ, अलंकार का वर्गीकरण
3. रीति सिद्धांत: रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, प्रमुख स्थापनाएँ

भाग (घ) **15 Hours**

1. औचित्य सिद्धांत :प्रमुख स्थापनाएँ और भेद
2. वक्रोक्ति सिद्धांत :वक्रोक्ति की अवधारणा,वक्रोक्ति के भेद
3. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप,प्रमुख स्थापनाएँ,ध्वनि के भेद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *माचवे, प्रभाकर (1988)'हिंदी आलोचना अतीत और वर्तमान'हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.*
- *अग्रवाल, डॉ. माया. (1959). भारतीय साहित्य शास्त्र. आत्माराम एंड संस : नई दिल्ली.*
- *उपाध्याय, विश्वाम्भरनाथ. (2006) भारतीय काव्य शास्त्र. वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली.*

- *त्रिपाठी, राममूर्ति. (2005). भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज. राधाकृष्ण प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- *ती. न. श्रीकंठय्या. (2005). भारतीय काव्य मीमांशा. शब्दकार प्रकाशन : दरियागंज नई दिल्ली.*

वेब सर्च

- *काव्यशास्त्र काव्य की परिभाषा –, प्रकार, अंग, लक्षण एवं गुण | Kavya Shastra in Hindi – ExamTricksAdda*
- *हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *साहित्यालोचन. . . .Saahityaalochan.... स) sahityalochan.com)*

Course Title: भक्ति काव्य
Course Code: **MHD112**

L	T	P	Cr.
4	0	0	4

Learning Outcomes **Total Hours: 60**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर, तुलसी, जायसी एवं मीराबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. छात्रों को कबीर, तुलसी, जायसी, महावीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. हिंदी के भक्ति काव्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त कराना।
4. भारतीय काव्य के स्त्री स्वर का परिचय प्राप्त कराना।

Course Content

भाग (क) **10 Hours**

1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि
2. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली.
   (केवल पद संख्या 175-200 तक)

भाग (ख) **10 Hours**

1. मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत – नागमती वियोग खण्ड

भाग (ग) **10 Hours**

1. तुलसीदास : रामचरितमानस -अयोध्याकाण्ड, गीता प्रेस : गोरखपुर

भाग (घ) **30 Hours**

1. मीराबाई की पदावली – संपादक – परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग (प्रथम 25 पद)

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2006.*
- *तुलसीदास, रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर 1995.*
- *जायसी, मालिक मोहम्मद, पद्मावत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1964.*
- *दास, श्याम सुन्दर, कबीर ग्रंथावली, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली 1989.*
- *सिंह, उदयभानु, तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1978.*
- *साही, विजयदेव नारायण, जायसी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 1976.*
- *रघुवंश, जायसी : एक नयी दृष्टि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1994.*
- *चतुर्वेदी, परशुराम (1984) मीराबाई की पदावली. हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग*
- *त्रिपाठी, विश्वनाथ, मीराबाई वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *मिश्र, भुनेश्वरनाथ, मीरा की प्रेम साधना, राजकमल प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली*

वेब सर्च :

- *https://www.vyakarangyan.com/2021/12/madhya-kalin-hindi-pramukh-rachnakar.html*
- *https://hi.thpanorama.com/articles/literatura/literatura-medieval-orgenes-caractersticas-representantes-y-obras.html*
- *https://ignca.gov.in/coilnet/jaysi012.htm*

Course Title: **प्रयोजनमूलक हिंदी एवं सम्प्रेषण कौशल**
Course Code: **MHD113**

L	T	P	Cr.
2	0	0	2

Learning Outcomes: **Total Hours: 30**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को हिंदी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक शैलियों का परिचय होगा।
2. छात्रों में विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी कार्य करने एवं नवीन प्रयोग की कुशलता विकसित होगी।
3. सम्प्रेशण कौशल की सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।
4. छात्र भाषा सम्प्रेषण के अंतर्गत साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन से परिचित हो सकेंगे।

Course Content

भाग (क) **8 Hours**

1. हिंदी के विभिन्न रूप : मातृभाषा, राष्ट्र भाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा
2. कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूप लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण का सिद्धांत

भाग (ख) **7 Hours**

1. जनसंचार :प्रौद्योगिकी एवं चुनोतियाँ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट
3. हिंदी कंप्यूटिंग :कंप्यूटर परिचय, रूपरेखा और उपयोग
4. साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों का रूपान्तरण

भाग (ग) **8 Hours**

1. सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
2. सम्प्रेषण के प्रकार
3. सम्प्रेषण के माध्यम

भाग (घ) **7 Hours**

1. भाषा सम्प्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन
2. साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन
3. भावार्थ और व्याख्या, आश्यलेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *तिवारी, भोलनाथ (डॉ.), भाषा विज्ञान", किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951.*
- *शास्त्री, रामचंद्र वर्मा (डॉ.) एवं डॉ. माया अग्रवाल, भाषा-विज्ञान एवं हिंदी भाषा, अनीता प्रकाशन, दिल्ली, 1994.*
- *रेमंड्स विलियम्स , संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशनप्रा.लि, नई दिल्ली,2007.*
- *घोदरे, विनोद प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन : दिल्ली 1998.*
- *शर्मा, देवेन्द्रनाथ एवं शाही विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, आधार प्रकाशन : पंचकूला*
- *भोलानाथ, तिवारी, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन 2001.*
- *गुप्त, दिनेश, प्रयोजनमूलक हिंदी राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली 1989.*
- *दीक्षित, सूर्य प्रसाद, जन पत्रकारिता, जनसंचार, संजय प्रकाशन : दिल्ली 2002.*

वेब सर्च :

- *https://www.mpgkpdf.com/2021/09/what-is-functional-hindi.html*
- *https://www.mjprustudypoint.com/2021/10/prayojanmulak-hindi-arth-vikas-swarop.html*
- *https://www.hindikeguru.com/2022/03/prayojanmulak-hindi-ki-avdharna-dishayen.html*

Course Title: **अनुवाद विज्ञान**
Course Code: MHD114

L	T	P	Cr.
2	0	0	2

Learning Outcomes **Total Hours: 30**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं व्याप्ति की जानकारी प्राप्त होगी।
2. विधि रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
3. सामाजिक, सांस्कृतिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे।
4. अनुवाद में आने वाली विभिन्न समस्याएँ तथा उनके समाधान से परिचित हो सकेंगे।

Course Content

भाग (क) **8 Hours**

5. अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र, महत्त्व, प्रक्रिया

6. अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति
7. अनुवाद में समतुलता का ,अनुवाद की इकाई, शब्द पदबन्ध, वाक्य पदबन्ध

भाग (ख) **7 Hours**

1. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
2. अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका
3. अनुवाद के प्रकार : कार्यलयी, वैज्ञानिकी एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञानं आदि,अनुवाद की समस्याएँ, सृजनात्मक, कार्यलयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिकी अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ.

भाग (ग) **7 Hours**

1. पाठ की अवधारणा और प्रकृति
2. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
3. विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व

भाग (घ) **8 Hours**

1. पाठ : शब्द, प्रति शब्द : शाब्दिक अनुवाद
2. साहित्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *बोरा, राजकमल (2001) अनुवाद क्या है, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *भाटिया, कैलाश चन्द्र (1998) भारतीय भाषाएँ हिन्दी अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान, नई दिल्ली*
- *आरसु, (2002) साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *धवन, मधु (1997) भाषान्तरण कला, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *गोपीनाथन जी (1989) अनुवाद एवं सिद्धांत प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*

वेब सर्च

- *अनुवाद विज्ञान - डा० भोलानाथ तिवारी द्वारा हिंदी पीडीऍफ़ पुस्तक : विज्ञान-| Anuvad Vigyan : by Dr. Bholanath Tiwari Hindi PDF Book - Science (Vigyan) - 44Books*
- *भाषा विज्ञान और अनुवाद विज्ञान की समस्या) साहित्य और संस्कृति –wordpress.com)*
- *हिंदी साहित्य में अनुवाद की भूमिका | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*

Course Title: **आधुनिक गद्य साहित्य**
Course Code: MHD106

L	T	P	Cr.
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे।

1. निबंध के स्वरूप विकास एवं उनके प्रकार का परिचय प्राप्त होगा। रामचंद्र शुक्ल एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध कौशल का परिचय प्राप्त होगा।
2. नाटक के स्वरूप एवं हिंदी नाटक की विकास-यात्रा का परिचय प्राप्त होगा। जयशंकर प्रसाद और जगदीश चन्द्र माथुर के नाट्य कौशल से परिचित होंगे।
3. छात्र उपन्यास विधा की हिंदी विकास यात्रा एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा) तथा भीष्म साहनीके रचनात्मक वैशिष्ट्य (तमस) से परिचित होंगे ।
4. आत्मकथा और जीवनी के हिंदी स्वरूप से परिचय के साथ-साथ छात्रों को तुलसीराम (मणिकर्णिका) तथा शरद्चंद्र (आवारा मसीहा) के रचनात्मक व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

भाग (क) **10 Hours**

1. निबंध की परिभाषा और स्वरूप विश्लेषण
2. निबंध के प्रकार एवं उसके विश्लेषण
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   क) कविता क्या है?
   ख) भाव अथवा मनोविकार

4.आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

क) कुटज

ख) अशोक के फूल

भाग (ख) **12 Hours**

1. नाटककास्वरूप विश्लेषण
2. हिंदी नाटक की विकास यात्रा
3. चन्द्रगुप्त-जयशंकर प्रसाद

भाग (ग) **12 Hours**

1. उपन्यास का स्वरूप और विकास
2. तमस-भीष्म साहनी
3. बाणभट्ट की आत्मकथा–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

भाग (घ) **11 Hours**

1. हिंदी आत्मकथा का स्वरूप, विश्लेषण एवं आधुनिक आत्मकथा के स्वर
2. जीवनी: स्वररूप विश्लेषण एवं हिंदी साहित्य में उसकी उपस्थिति
3. आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर
4. मणिकर्णिका – तुलसीराम

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *टंडन, हरिप्रसाद, हिंदी निबंध और निबंधकार, बिहार हिंदी अकादमी, पटना, 2002.*
- *मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद,(2014) चिंतामणि-1 मंजूषा सहित. इन्डियन प्रेस, इलाहाबाद.*
- *शर्मा, राजमणि काशी की माटी बलिया का बिरवा, संजय बुक सेंटर : वाराणसी, 1994.*
- *शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1998.*
- *शर्मा,शिवकुमार,हिंदी साहित्य युग औरप्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002.*
- *साहनी, भीष्म, तमस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1995.*

वेब सर्च :

- *https://mycoaching.in/munshi-premchand-ka-jivan-parichay*
- *https://jivanihindi.com/bhisham-sahni/*
- *https://gyanpur.in/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%E0%A5%80-%E0%A4%97%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%AF-%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF-%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%87%E0%A4%A4/*

Course Title: **हिंदी कथा साहित्य**
Course Code: MHD107

L	T	P	Cr.
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र को पूरा करने के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक साहित्यिक परिस्थितियों की का विधात्मक परिचय होगा।
2. हिंदी कथा-साहित्य का तात्त्विक परिचय होगा ।
3. कहानी और उपन्यास के विकास-क्रम की जानकारी होगी ।
4. कथा साहित्य के आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।

Course Content

भाग (क) **13 Hours**

1. कहानी:स्वरूप,विश्लेषण,विकास का भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य
2. प्रेमचंद युग :प्रेमचंद के समकालीन कथाकार (जयशंकर प्रसाद, सुदर्शन, विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक, पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र)
3. स्वातन्त्र्योत्तर कहानी :शिल्प एवं अंतर्वस्तु में विकास
4. नई कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, दलित कहानीएवं कहानी का स्त्री-स्वर

भाग (ख) **12 Hours**

1. हिंदी उपन्यास का स्वरूप ,विकास ,भारतीय एवं पाश्चात्य विकास क्रम
2. प्रेमचंद पूर्व युग :जासूसी,तिलिस्मी,ऐय्यारी संबंधी उपन्यास
3. प्रेमचंद युग :प्रेमचंद और उसके समकालीन उपन्यासकार
4. प्रेमचंदोत्तर युग :हिंदी उपन्यास के विभिन्न चरण

भाग (ग) **10 Hours**

1. हिंदी उपन्यास और मनोविश्लेषणवाद
2. आंचलिकता की अवधारणा और हिंदी के आंचलिक उपन्यास
3. हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यास
4. स्त्री-विमर्श और हिंदी उपन्यास

भाग (घ) **10 Hours**

1. हिंदी के सांस्कृतिक उपन्यास
2. यथार्थवाद और हिंदी उपन्यास
3. अस्तित्ववाद और हिंदी उपन्यास
4. दलित विमर्श और हिंदी उपन्यास

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *मदान, इन्द्रनाथ, हिंदी कहानी : पहचान और परख, लोकभारती प्रकाशन : दिल्ली. 1998*
- *कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका, अक्षर प्रकाशन : दिल्ली. 1992*
- *श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, राजकमल प्रकाशन : दिल्ली, 2004.*
- *शर्मा, जगन्नाथ प्रसाद, कहानी का रचना-विधान, राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली. 2002*
- *सिंह, नामवर, कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन : दिल्ली. 2005*
- *गुप्त शम्भू, कहानी, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली, 2016.*
- *चौधरी, सुरेन्द्र, कहानी की रचना प्रक्रिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994.*
- *यादव, राजेन्द्र. सम्पादक- भूमिका एक दुनिया समानान्तर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.*

वेब सर्च :

- *https://hindishri.com/hindi-sahitya-ki-kahaniya/*
- *https://www.iasbook.com/hindi/hindi-katha-sahitya/*
- *https://www.hindikahani.hindi-kavita.com/Hindi-Upanyas.php*

Course Title: **हिंदी स्त्री-लेखन एवं दलित साहित्य**
Course Code: **MHD108**

L	T	P	Cr.
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनैतिक, साहित्यिक, साहित्यिक स्थितियों की कथा साहित्य के सन्दर्भ में जानकारी होगी ।
2. हिंदी कथा साहित्य का विधात्मक परिचय होगा ।
3. कहानी और उपन्यास के विकास क्रम की जानकारी होगी ।
4. उपन्यास, कहानी के तात्त्विक स्वरूप, विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में कथा साहित्य के आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्याङ्कन की क्षमता बढ़ेगी ।

Course Content

भाग (क) **13 Hours**

1. मानव सभ्यता का विकास और स्त्री, स्त्री-जैविक और मनोवैज्ञानिक सदंर्भ
2. लिगभेद की राजनीति और स्त्री, भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री का स्थान
3. स्त्री लेखन ,स्त्री मुक्ति का आंदोलन और स्त्रीवाद
4. हिंदी साहित्य में स्त्री लेखन परंपरा-स्वतंत्रतापूर्व और स्वातंत्रयोत्तर
5. स्त्री लेखन और नारीवादी चिंतन
6. स्त्री लेखन के प्रतिमान

भाग (ख) **12 Hours**

1. भारतीय सामजिक संरचना-वर्ण,जाति एंव वर्ग व्यवस्था
2. दलित साहित्य आंदोलन का उद्भव और विकास- दलित साहित्य आंदोलन एवं दलित साहित्य का संबध, दलित साहित्य का उद्भव, दलित साहित्य की परंपरा
3. दलित साहित्य की परिभाषा, दलित साहित्य के वैचारिक आधार,
4. दलित साहित्य के प्रतिमान, सौदर्य शास्त्र और दलित सौदर्यशास्त्र
5. हिंदी साहित्य में दलित लेखन

भाग (ग) **10 Hours**

1. प्रमुख स्त्रीवादी चिंतन एवं उनकी रचनाएँ
2. श्रृखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा के स्त्री प्रश्न
3. कठगुलाब - मृदला गर्ग

भाग (घ) **10 Hours**

1. प्रमुख दलित चिंतन एवं उनकी रचनाएँ
2. उपन्यास: रेत-भगवानदास मोरवाल
3. दलित आत्मकथा जूठन –2 ओमप्रकाश बाल्मीकि, दोहरा अभिशाप – कौशल्या बैसन्ती

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य पुन्नी सिंह, कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा, प्रकाशक- वाणी प्रकाशक, दिल्ली 2008*
- *दलित साहित्य का समाज शास्त्र शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2012*
- *दलित चेतना की कहानियाँ बदलती परिभाषाएं, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2018*
- *दलित साहित्य बुनियादी सरोकार कृष्णदत पालीवाल वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2012*
- *स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउआर, अनुवाद - प्रभा खेतान, सरस्वती प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली2008.*

- *निवेदिता मेनन, औरत की निगाह से, राजकमल प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली सं .2021.*
- *नासिरा शर्मा, औरत के लिए औरत, सामयिक प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली सं.2010.*
- *राजेन्द्र यादव, आदमी की निगाह में औरत, राजकमल प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली सं. 2010*
- *मेरी वोल्सटन क्राफ्ट, स्त्री अधिकारों का औचित्य, राजकमल प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली सं. 2014*
- *स्वातंत्रोयोत्तर कथा लेखिकाएँ, उर्मिला गुप्ताराधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2008*

वेब सर्च :

- *https://www.hindwi.org/ebooks/dalit-sahitya-ki-avdharna-aur-premchand-ebooks?gclid=EAIaIQobChMIr5TE6Ovd_gIVSZhmAh00XAyJEAAYASAAEgIBR_D_BwE*
- *https://www.bbc.com/hindi/india/2013/09/130912_hindi_special_dalit_sahitya_akd*
- *https://hi.wikibooks.org/wiki/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%*

Course Title: **हिंदी आलोचना और आलोचक**
Course Code: **MHD115**

L	T	P	Cr.
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को आलोचना के परिचय स्वरूप से परिचित कराना।
2. हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से अवगत कराना।
4. विविध आधुनिक आलोचना पद्धतियों का परिचय एवं उनकी उपयोगिता का ज्ञान।

Course Content

भाग (क) **10 Hours**

1. आलोचना का अर्थ एवं प्रकार
2. आलोचक के गुण
3. आलोचना का उद्देश्य
4. हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि

भाग (ख) **12 Hours**

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के पूर्व हिंदी आलोचना एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका अवदान
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल युगीन आलोचना :उपलब्धि एवं सीमा

भाग (ग) **13 Hours**

1. प्रमुख आलोचक :
   आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, केशव प्रसाद मिश्र, शिवदान सिंह चौहान, अमृत राय, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी

भाग (घ) **10 Hours**

1. प्रमुख आलोचना पद्धतियाँ : प्रगतिशील, पाठवादी आलोचना, पाठकवादी आलोचना, नई समीक्षा, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, संरचनावाद, विखंडनवाद, अस्तित्ववादी आलोचना

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन हेतु सहायक पुस्तकों की सूची :

- *नवल, नन्दकिशोर (2011) हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली,.*
- *शर्मा, रामविलास (सं. 2005) आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *सिंह, नामवर सिंह (2019) दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *जैन, निर्मला (2009) बीसवीं सदी की हिंदी आलोचना, वाणी प्रकाशन*
- *राजपाल हुकुमचंद, (2003) समकालीन हिंदी समीक्षा, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली.*
- *मदान, इन्द्रनाथ (सं. 2008) आलोचना और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद*
- *तिवारी रामचन्द्र, (2012) हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन : वाराणसी.*
- *सिंह, रामलाल (1984) समीक्षाशास्त्र, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद.*
- *नारंग, गोपीचंद (2003) संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्यकाव्यशास्त्र, साहित्य अकादमी : नई दिल्ली.*
- *शिवरुद्रप्पा, जी. एस. अनु भालचन्द जय शेट्टी (2007) काव्यार्थ चिंतन, साहित्य अकादमी : नई दिल्ली.*

वेब सर्च :

- *हिंदी साहित्य के समकालीन आलोचक और आलोचना ग्रंथ -HINDI SARANG*
- *हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *हिंदी आलोचना -IASbook*

Semester - II

Course Title: **हिंदी सहित्य का इतिहास: उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक**
Course Code: MHD209

L	T	P	Cr.
4	0	0	4

Learning Outcomes **Total Hours: 60**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. युगीन परिस्थितियों सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक साहित्यिक और आर्थिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण का ज्ञान होगा।
2. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, आधुनिक काल, भारतेन्दु, द्विवेदी युग, छायावादी युग साहित्य के प्रभाव से छात्र अवगत हो सकेंगे।
3. छात्र आधुनिकीकरण की प्रक्रिया, भारतीय नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, जनवाद, दलित चिन्तन, स्त्री चिन्तन आदि से परिचित होंगे।
4. हिंदी पत्रकारिता एवं उसके विकास, बाजारवाद भूमंडलीकरण, उत्तर आधुनिकीकरण, आत्मकथा,रि पोर्ताज, यात्रा साहित्य आदि के विकास की प्रक्रिया से परिचित होंगे।

Course Content

भाग (क) **15 Hours**

1. रीतिकाल :सामाजिक,सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
2. रीतिकाल का नामकरण
3. भक्तिकाल से रीति में संक्रमण के घटक तत्त्व
4. रीति काव्य का विकास
5. दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थ परम्परा
6. रीतिकवियों का आचार्यत्व
7. रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव,बिहारी,भूषण,देव,पद्माकर,मतिराम, घनानन्द,आलम

भाग (ख) **13 Hours**

1. रीतिकाव्य में लोकजीवन
2. रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
3. रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
4. रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
5. रीतिकालीन वीर काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
6. रीतिकालीन नीति काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ

भाग (ग) **17 Hours**

1. आधुनिकता की अवधारणा,विकास और भारतीय नवजागरण

2. भारतेन्दु और उनका काव्य
3. भारतेन्दु और उनका मण्डल
4. द्विवेदी युगीन काव्य और सामान्य प्रवृतियाँ
5. राष्ट्रीय काव्यधारा :प्रमुख कवि और काव्य
6. छायावादी काव्य :(प्रसाद,पंत,निराला,महादेवी वर्मा) सामान्य प्रवृतियाँ
7. प्रगतिवादी काव्य :परम्परा और प्रवृतियाँ
8. प्रयोगवाद :कवि और काव्य
9. जनवादी काव्य
10. दलित और स्त्री स्वर

भाग (घ) **15 Hours**

1. हिंदी पत्रकारिता :उद्भव और विकास
2. हिंदी नाटक :उद्भव और विकास
3. हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास
4. उपन्यास, निबंध, आलोचना, रेखाचित्रएवं संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य, लोक साहित्य, डायरीउद्भव और विकास
5. रिपोर्ताज : उद्भव और विकास

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह-चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (. डॉ), गणपति चंद्र हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम् संस्करण, 1999.*
- *सिंह, बच्चन (2008) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास , राधाकृष्ण प्रकाशन: नई दिल्ली.*
- *नगेंद्र (सं(. डॉ), हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, नोएड़ा, चौबीसवाँ संकरण, 1997*
- *फ्रेंक ई. के, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वाराणसी : लोकायत प्रकाशन. वाराणसी*
- *शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण, 2056*
- *चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *मंगललालचंद गुप्त, हिंदी साहित्य का इतिहास, यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999.*

वेब सर्च :

- *https://hindishri.com/ritikal-ka-namkaran-vibhajan-pravartak/*
- *https://hindishri.com/ritibadh-kavi-aur-rachnaye-part-1/*
- *https://hindishri.com/aadhunik-kaal-aur-bharatendu-harishchandra/*
- *https://hindishri.com/chhayavaad-aur-jaishankar-prasad-unki-rachnaye*

Course Title: हिंदी भाषा विज्ञान
Course Code: MHD210

L	T	P	Credts
4	0	0	4

Learning Outcomes **Total Hours: 60**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों एवं विभिन्न शाखाओं एवं हिंदी के विविध रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. हिंदी के ध्वन्यात्मक वैशिष्ट्य का परिचय प्राप्त होगा।
3. स्वनों का गंभीर विश्लेषण संभव होगा।
4. भाषा में अर्थ के अनेक स्तरों का परिचय होगा।

Course Content

खण्ड (क) **17 Hours**

भाषा और भाषा विज्ञान :

1. भाषा की परिभाषा और स्वरूप
2. भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य
3. भाषा विज्ञान : स्वरूप, परिभाषा
4. भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ, वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक आदि
5. साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

खण्ड (ख) **13 Hours**

स्वन विज्ञान :

1. स्वन विज्ञान का स्वरूप, अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण और परिवर्तन
2. स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिमकी अवधारणा
3. स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण

खण्ड (ग) **18 Hours**

ध्वनि विज्ञान :

1. ध्वनियों का वर्गीकरण एवं ध्वनि परिवर्तन के कारण
2. ध्वनि नियम, ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, बर्नर नियम।

खण्ड (घ) **12 Hours**

अर्थ विज्ञान :

1. अर्थ परिवर्त्तन
2. अर्थ परिवर्त्तन की दिशाएँ, प्रकार
3. अर्थपरिवर्त्तन के कारण।

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *भावुक कृष्ण. **हिंदी भाषा का इतिहास**, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1997.*
- *तिवारी भोलनाथ . **हिंदी भाषा**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1966.*
- *तिवारी भोलनाथ. **भाषा विज्ञान**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951.*
- *शास्त्री रामचंद्र वर्मा एवं डॉ. माया अग्रवाल, **भाषा-विज्ञान एवं हिंदी भाषा**, अनीता प्रकाशन, दिल्ली, 1994.*
- *बाहरी हरदेव.**हिंदी : उद्भव, विकास और रूप**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1965.*
- *सिंह, हरदेव. **अर्थ विज्ञान**. मैकमिलन प्रा. लि. : दरियागंज , नई दिल्ली.*

वेब सर्च :

- *https://hi.wikibooks.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE_%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A5%8D%E0%A4%9E%E0%A4%BE%E0%A4%A8_%E0%A4%94%E0%A4%B0_%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%E0%A5%80_%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A5%8D%E0%A4%9E%E0%A4%BE%E0%A4%A8_%E0%A4%95%E0%A5%87_%E0%A4%85%E0%A4%82%E0%A4%97*
- *https://www.mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Mar/4_03-02-2021_11-42-36_Bhasa%20Vigyan%20avem%20Hindi%20Bhasa-1%20%20(Paper%20code-20HND21C4).pdf*
- *https://www.kailasheducation.com/2021/06/bhasha-vigyan-arth-paribhasha-*

Course Title: **आधुनिक हिंदी काव्य**
Course Code: MHD211

L	T	P	Cr.
4	0	0	4

Learning Outcomes: **Total Hours: 60**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को आधुनिकता एवं आधुनिक का काव्य प्रवृतियों का परिचय प्राप्त होगा।
2. छात्रों को छायावादी काव्य के अध्ययन से भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन उसकी, प्रतिच्छाया एवं भावों के सूक्ष्म विश्लेष्ण का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. छायावादीहिंदी कविता के भावात्मक उत्कर्ष एवंकाव्य भाषा की उपलब्धियों का ज्ञान होगा।
4. हिंदी कविता के विविध भावधारा के उत्स बिंदु एवं गीत –नवगीतका परिचय प्राप्त होगा।

भाग (क) **15 Hours**

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग), व्याख्या/अंतर्वस्तु
2. राष्ट्रीय भावधारा का विकास औरमैथिलीशरण गुप्त
3. अयोध्या सिंह उपाध्याय : प्रिय प्रवास,व्याख्या/अंतर्वस्तु

भाग (ख) **16 Hours**

1. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिन्ता, लज्जा सर्ग) व्याख्या/अंतर्वस्तु
2. सुमित्रन्दन पन्त : नौका विहार व्याख्या/अंतर्वस्तु

भाग (ग) **14 Hours**

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :राम की शक्ति पूजा,सरोज स्मृति,व्याख्या/अंतर्वस्तु

भाग (घ) **15 Hours**

1. अनुभूति की सान्द्रता और महादेवी के गीत – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, कौन तुम मेरे हृदय में, विरह का जलजात जीवन, ज्योतिष्मती (सप्तपर्णा से) बोध, आज यज्ञशाला का खोलो द्वार, अभय

Transaction Mode
व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *नगेन्द्र, साकेत : एक अध्ययन, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस : दिल्ली 1998.*
- *शर्मा, रामविलास निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1989.*
- *सिंह, दूधनाथ, निराला : एक आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद 2002.*
- *शर्मा, कमलेश, पद्मसिंह, निराला , राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली 1998.*
- *सिंह, बैजनाथ, नई कविता का इतिहास, संजय प्रकाशन : दिल्ली 1977.*

वेब सर्च :

- *आधुनिक हिन्दी कविता का विकास | आधुनिक हिन्दी कविता प्रवृत्तियां/विशेषताएँ)sarkariguider.in)*
- *जयशंकर प्रसाद की कामायनी | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *छायावाद अर्थ:, परिभाषा व प्रवृत्तियां)Chhayavad : Arth, Paribhasha V Pravrittiyan) (dccp.co.in)*

Course Name: सृजनात्मक लेखन
Course Code: MHD212

L	T	P	Cr
1	0	0	1

Learning Outcomes **Total Hours: 15**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र सृजनात्मक लेखन की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।
2. छात्र कविता के स्वरूप में सृजन प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।
3. छात्र कथा साहित्य के स्वरूप एवं कहानी, उपन्यास, लघुकथा आदि की रचना प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।
4. छात्र रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, नाटक आदि की रचना-प्रक्रिया एवं प्रस्तुतिकरण से परिचित होंगे।

Course Content

भाग (क) **3 Hours**

1. सृजनात्मक लेखन स्वरूप और सिद्धांत
2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं में सृजनात्मक लेखन (गद्य और पद्य रूप)
3. काव्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (मुक्तक काव्य ,प्रबंध काव्य)
4. कथात्मक गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (उपन्यास ,लघुकथा ,कहानी)
5. अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय ,रेखाचित्र ,रिपोर्ताज ,निबंध ,नाटक ,आत्मकथा ,जीवनी) (व्यंग्य ,डायरी ,यात्रा साहित्य ,संस्मरण

भाग (ख) **4 Hours**

1. कविता का विश्लेषण एवं सृजन प्रक्रिया
2. काव्य भाषा : स्वरूप विश्लेषण
3. सृजनात्मक लेखन रचना कौशल : (काव्य)
4. काव्य लेखन

भाग (ग) **4 Hours**

सैद्धांतिक स्वरुप :

1. कथा साहित्य के विभिन्न विधाएँ सैद्धांतिक :स्वरूप(उपन्यास ,लघुकथा ,कहानी)
2. कहानी व लघुकथा लेखन
3. उपन्यास लेखन

भाग (घ) **4 Hours**

साहित्य की विभिन्न विधाओं का सैद्धांतिकस्वरुप :

1. नाट्य लेखन
2. निबंध लेखन
3. जीवनी एवं आत्मकथा लेखन
4. रिपोर्ताज़ लेखन
5. रेखाचित्र और संस्मरण लेखन
6. व्यंग्य लेखन

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गौतम रमेश रचनात्मक लेखन 2008 प्रथम संस्करण ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली*
- *अरोड़ा हरीश सृजनात्मक लेखन 2014 युवा साहित्य चेतना मंडल नई दिल्ली*
- *आचार्य नंदकिशोर साहित्य का उद्देश्य वाह बी प्रकाशन बीकानेर*
- *जगूड़ी लीलाधर रचना प्रक्रिया से जूझते हुए वाणी प्रकाशन दिल्ली*
- *त्रिपाठी विश्वनाथ देश के इस दौर में 2000 राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली*
- *वर्मा निर्मल कला के जोखिम 1981 राजकमल प्रकाशन दिल्ली*

- *मित्र विद्यानिवास साहित्य के सरोकार 2007 वाणी प्रकाशन*
- *श्री विश्वनाथ प्रसाद रचना के सरोकार 1987 वाणी प्रकाशन नई दिल्ली*
- *शुक्ल, रामचंद्र, चिंतामणि लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज*
- *सिंह, राकेश कुमार (संपादक), समकालीन गीत का आत्म संघर्ष, युगांतर प्रकाशन : नई दिल्ली*

वेब सर्च :

- *सर्जनात्मक लेखन) विकिपीडिया -wikipedia.org)*
- *सृजनात्मकता (Creativity) - अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, विकास, पहचान एवं मापन)mycoaching.in)*
- *साहित्यिक विधाएँसी हैं वर्तमान-साहित्य में वे क्या हैं और कौन : साहित्य (actualidadliteratura.com*

Course Title: समकालीन हिंदी काव्य
Course Code: MHD213

L	T	P	Cr
2	0	0	2

Learning Outcomes **Total Hours: 30**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र प्रगतिवाद की विशेषताओं और - काव्यानुभूति के पृथक्- पृथक् स्तरों से अवगत होंगे।
2. छात्र प्रयोगवाद के अंतर्दर्शन एवं काव्यानुभूति से अवगत हो सकेंगे।
3. छात्र स्वातंत्रयोत्तर कविता के मोहभंग के स्वर से परिचित होंगे।
4. छात्र समकालीन भावभूमि एवं कविता में स्त्री स्वर से परिचित होंगे।

Course Content

भाग (क) **7 Hours**

1. प्रयोगवाद हिंदी कविता में :मध्यवर्ग की उपस्थिति एवं युगीन दंश
2. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय :नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार, बाबरा अहेरी

भाग (ख) **7 Hours**

1. मुक्ति की आकांक्षा और प्रगति का पथ हिंदी कविताप्रगतिशील हिंदी कविता :
2. मुक्तिबोध :अंधेरे में
3. सुदामा पांडेय धूमिल :पटकथा

भाग (ग) **8 Hours**

1. सत्ता के प्रतिपक्ष में प्रगतिशील स्वर :नागार्जुन और केदारनाथ अग्रवाल
2. केदारनाथ अग्रवाल: जो शिलाएँ तोड़ते हैं, मैंने उसको जब जब देखा
3. नागार्जुन: बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, उनको प्रणाम
4. श्रीकांत वर्मा : मगध, जलसाघर

भाग (घ) **8 Hours**

1. आधुनिकता का दबाव और कविता का बदलता परिवेश
2. केदारनाथ सिंह –बनारस, बाघ
3. कात्यायनी -इस स्त्री से डरो दाहक ,जीवन दाह, भाइयों के बीच चम्पा, गार्गी

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *मिश्र, कृष्ण मुरारी (1971) अध्ययन और मुक्तिबोध की कविता. राधाकृष्ण प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली.*
- *सिंह, केदारनाथ (2001) आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान. राधाकृष्ण प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली*
- *सिंह) नामवर ,2005(कविता के नए प्रतिमान. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली.*
  शर्मा, रामविलास.नई कविता और अस्तित्ववाद. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली.
- *जैन ,निर्मला) 1977(नयी समीक्षा के प्रतिमान. नेशनल पब्लिक सिंह हाउस: नई दिल्ली.*
- *कुमार, जगदीश) 1976(नई कविता: विलायती संदर्भसंमार्ग प्रकाशन.*
- *शर्मा ,रामविलास)1984 (मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य. वाणी प्रकाशन: दरियागंज, नई दिल्ली*
- *त्रिपाठी, अनिल)2007 (मिट्टी की रोशनी शिल्पायन प्रकाशन :शाहदरा, दिल्ली*
- *त्यागी, सुरेशचंद्र .नागार्जुन :आशिर प्रकाशन .सहारनपुर*
- *सिंह योगेंद्र.भारतीय परंपराओं का आधुनिकीकरण रावत प्रकाशन: नई दिल्ली*
- *शर्मा, रामविलास प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवालपरिमल प्रकाशन ,इलाहाबाद*

Course Title: रीति काव्य
Course Code: MHD214

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. रीति काव्य का परिचय प्राप्त होगा ।
2. काव्य रचना की विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान होगा।
3. मध्यकालीन भारतीय दरबारी संस्कृति यों का ज्ञान प्राप्त होगा ।
4. मध्यकालीन काव्यात्मक अवदानों से परिचित होंगे ।

Course Content

भाग (क) **12 Hours**

1. रीति काव्य का परिचय एवं विशेषताएँ
2. रीतिकाव्य की सामाजिक पृष्ठभूमि एवं भक्तिकाव्य का रीति काव्य में संक्रमण
3. रीतिकाव्य की उपलब्धियां

भाग (ख) **13 Hours**

1. रीतिबद्ध काव्य के प्रमुख कवि एवं इनके प्रमुख काव्य विशेषताएँ :केशवदास,देव ,मतिराम ,पद्माकर ,भिखारीदास

भाग (ग) **10 Hours**

1. रीति सिद्ध काव्य के प्रमुख कवि एवं काव्य विशेषताएँ : बिहारी,बेनी,द्विजदेव,सेनापति

भाग (घ) **10 Hours**

1. रीति मुक्त काव्य के प्रमुख कवि एवं काव्य विशेषताएँ : घनानन्द,बोधा,आलम,भूषण,ठाकुर

Transaction Mode
व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *सिंह, डॉ. त्रिभुवन, महाकवि मतिराम, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी*
- *सिंह, विजयपाल, केशव का आचार्यत्व, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस : नई दिल्ली.1994.*

- *शर्मा शिव कुमार , हिंदी साहित्य युग और प्रवित्याँ, अशोक प्रकाशन दिल्ली 2001.*
- *बाहरी, हरदेव, सूर सागर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1998.*
- *चतुर्वेदी परशुराम, मीरा पदावली,हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1995.*
- *सिंह, बच्चन, बिहारी का नया मूल्यांकन,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली1987.*
- *गुप्त, गणपति चंद्र, हिंदीसाहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,दो भाग,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1999.*

वेब सर्च

- *https://abhivyakti.life/2020/10/12/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE-%E0%A4%8F%E0%A4%B5%E0%A4%82-%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%E0%A4%BF-%E0%A4%95%E0%A5%87-%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B8/*
- *https://m.sahityakunj.net/entries/view/bhartiya-sahitya-mein-anuvad-kee-bhoomika*
- *https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/MA-Hindi-Final-Paper-IX.pdf*

Course Title: पंजाब का हिंदी साहित्य
Course Code: MHD206

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र साहित्यकार के रूप में भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती के साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित होंगे।
2. युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती की काव्य कृतियों के मर्म को जान सकेंगे।
3. निर्धारित प्रमुख रचनाओं के सूक्षम अध्ययन तथा अन्य कृतियों के सामान्य अध्ययन के माध्यम से कवि की काव्यकला को समझ सकेंगे।
4. छात्रों में साहित्यकारों की निर्धारित रचनाओं के आस्वादन की तथा मूल्यांकन की दृष्टि बढ़ेगी।

Course Content

भाग (क) **14 Hours**

1. गुरु तेग बहादुर वाणी – संपादक गुरुदेव कौर व जी.एस .आनंद ,पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला प्रकाशन

भाग (ख) **10 Hours**

1. बीच का रास्ता नहीं होता ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,अवतार सिंह पाश – नई दिल्ली (प्रारम्भिक 5 कविताएँ)
2. कभी नहीं सोचा था - सुरजीत पातर, सारांश प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन समूह, दरियागंज, नई दिल्ली
   (प्रारम्भिक20कविताएँ)

भाग (ग) **11 Hours**

1. जिन्दगीनामा (उपन्यास) कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. मय्यादास की माड़ी (उपन्यास)भीष्म साहनी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

भाग (घ) **10 Hours**

2. छांगेया रुख – बलवीर सिंह माधो – वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली (2007)

Transaction Mode:
व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *वाली, चंद्रकांत (1968)* ***पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास****, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *द्विवेदी, विवेक (1999)* ***भीष्म साहनी****, उपन्यास साहित्य लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *रस्तोगी, गिरीश (2001)* ***मोहन राकेश और उनके नाटक****. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *बाठ, सुखविंदर कौर (1989)* ***गुरु तेग बहादुर : सन्दर्भ और विश्लेषण****, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला*
- *सिंह, महीप (1998)* ***गुरु गोविन्द सिंह और उनकी कविता****, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद*
- *अग्रवाल, वीणा (2003)* ***गुरु गोविन्द सिंह : समाज और सौन्दर्य****, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*

- *कभी नहीं सोचा था - सुरजीत पातर, सारांश प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन समूह, दरियागंज नई दिल्ली*
- *राकेशरेणु (सं) (2021) सोबती की सोहबत में. प्रकाशन विभाग : नई दिल्ली.*
- *सिंह, राकेश कुमार (सं 2023) कृष्णा सोबती. आधार प्रकाशन : पंचकूला*

वेब सर्च :

- *https://hi.wikipedia.org*
- *https://www.inextlive.com/bihar/patna/punjab-contribution-to-hindi-literature-133534*
- *https://www.hindwi.org/kavita/kabhi-nahin-socha-tha-surjit-patar-kavita*
- *https://www.pustak.org/index.php/books/bookdetails/8688/Zindaginama*

Course Title: प्रेमचंद (विशेष अध्ययन)
Course Code: MHD207

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Learning Outcomes **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. विशेष साहित्यकार के रूप में छात्र प्रेमचंद के साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित होंगे।
2. कहानीकार के रूप में प्रेमचंद के अवदान से परिचित होंगे।
3. प्रेमचन्द की आदर्शोन्मुखी यथार्थ दृष्टि से परिचित होगे।
4. प्रेमचंद के कलात्मक उत्कर्ष एवं यथार्थवादी दृष्टि से परिचित होंगे।

Course Content

भाग (क) **10 Hours**

1. प्रेमचन्द : परिचय एवं परिवेश, प्रेमचंद का जीवन दर्शन
2. आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद और प्रेमचंद की नारी भावना
3. प्रेमचंद की संपादन कला, हिंदी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचंद का योगदान

भाग (ख) **12 Hours**

4. प्रेमचंद की चयनित कहानियाँ (पञ्च परमेश्वर,ठाकुर का कुआं,बूढ़ी काकी,पूस की रात,बड़े घर की बेटी,कफन,जुलूस,ईदगाह,इस्तीफा,इज्जत का खून,नशा,कातिल,मैकू दंड,बड़े भाई साहब आदि.

भाग (ग) **10 Hours**

1. उपन्यास - रंगभूमि

भाग (घ) **13 Hours**

1. गोदान : प्रेमचंद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *मदान, इन्द्रनाथ, प्रेमचंद : चिंतन और कला, सरस्वती प्रेस, बनारस.* ***1961***
- *रहवर, हंसराज, प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली.* ***1962***
- *सिन्हा, इंद्रमोहन कुमार, प्रेमचन्दयुगीन भारतीय समाज, बिहारी हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना* ***1974***
- *शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली* ***1981***
- *धर्मेन्द्र, गुप्त, समकालीन जीवन सन्दर्भ और प्रेमचंद, पियूष प्रकाशन : नई दिल्ली* ***1988***

वेब सर्च

- *मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय कहानियाँ, उपन्यास, व्यक्तित्व और जीवन परिचय ( )zedhindi.com)*
- *मुंशी प्रेमचंद जीवन परिचय -, रचनाएं और भाषा शैली, Premchand (mycoaching.in)*
- *सेवासदन) विकिपीडिया -wikipedia.org)*

Course Title: मोहन राकेश (विशेष अध्ययन)
Course Code: MHD215

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Learning Outcome: **Total Hours: 45**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्रों को नाटकों के विकसित चरण का ज्ञान होगा।
2. छात्रों को यांत्रिकता के दबाव में टूटते पारिवारिक संबंधों का परिचय प्राप्त होगा।
3. छात्रों को मोहन राकेश की व्यापक अनुभूतियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. छात्रो को मोहन राकेश की कहानियों का परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

भाग (क) **12 Hours**

मोहन राकेश व्यक्तित्व और कृतित्व

1. मोहन राकेश के नाटकों का परिचय
2. मोहन राकेश के उपन्यासों का परिचय
3. मोहन राकेश की कहानियों का परिचय
4. हिंदी साहित्य में मोहन राकेश का योगदान

भाग (ख) **12 Hours**

1. आषाढ़ का एक दिन
2. आधे-अधूरे

भाग (ग) **10 Hours**

1. अँधेरे बंद कमरे

भाग (घ) **11 Hours**

1. मोहन राकेश की चयनित कहानियाँ

जख्म, अंतराल, मलबे का मालिक, सीमाएँ, जीनियस, परमात्मा का कुत्ता, फौलाद का आकाश, वारिस**,** जानवर और जानवर।

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *रघुवंश नाट्यकला : राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2001*
- *जैन, नेमिचंद (2002) राधाकृष्ण प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- *अग्रवाल, कुवरजी (1989) रंगमंच. राधाकृष्ण प्रकाशन : नई दिल्ली.*

- *चातक, गोविन्द (2001) नाटक की साहित्यिक संरचना. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *जैन, नेमिचंद (1998) नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार और रंगमंच, राधाकृष्ण प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- *चातक, गोविन्द (1997) मोहन राकेश -आधुनिक हिंदी नाटक का मसीहा. लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*

वेब सर्च :

- *https://jivanihindi.com/mohan-rakesh/*
- *https://zedhindi.com/mohan-rakesh-biography-in-*
- *https://www.hindisamay.com/content/481/1/%E0%A4%AE%E0%A5%*

SEMESTER - III

Course Title: शोध प्रविधि (Research Methodology)

Course Code: MHD310

L	T	P	Cr
4	0	0	4

Learning Outcomes **Total Hours: 60**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र शोध के आभ्यांतर एवं संघटक तत्त्व, शोध के प्रकार आदि से परिचित होंगे।
2. छात्र एकाधिक ज्ञानानुशासनों से सम्बद्ध शोध की प्रक्रिया एवं विशेषता से परिचित होंगे।
3. शोध कार्य की आतंरिक प्रक्रिया से छात्र परिचित होंगे।
4. छात्रों में शोध कार्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।

खंड (क) **15 Hours**

शोध अर्थ और परिभाषा **:**

1. शोध के तत्व
2. शोध के प्रकार
3. काव्यशास्त्रीय शोध
4. साहित्येतिहसिक शोध
5. साहित्यिक सामाजिक शोध
6. पाठ शोध

खंड (ख) **15 Hours**

1. अंतर्विद्यावर्ती शोध
2. समाजशास्त्रीय शोध
3. मनोवैज्ञानिक शोध
4. सौंदर्यशास्त्र शोध
5. सांस्कृतिक शोध
6. लोकतात्विक शोध

खंड (ग) **15 Hours**

1. शोधकाप्रारम्भिक चरण
2. शोध कार्य के दौरान आनेवाली कठिनाइयाँ
3. शोधकार्य में मूल एवं आनुषांगिक सन्दर्भों के उपयोग का विवेक
4. मूल एवं आनुषांगिक सन्दर्भों की प्रमाणिकता

खंड (घ) **15 Hours**

1. शोधकार्य की परिणति
2. शोध कार्य को प्रभावित करनेवाले घटक
3. शोध कार्य का शोधन
4. शोध कार्य का मूल्यांकन

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

- *अग्रवाल, गिरिराज शरण तथा मीना अग्रवाल,* ***शोध सन्दर्भ****: नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1990.*
- *ओमप्रकाश,* ***अनुसंधान की समस्याएं****: आर्य बुक डिपो, दिल्ली 1997.*
- *जैन, रविन्द्र कुमार,* ***साहित्यिक अनुसंधान के आयाम****: नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.1998.*
- *शर्मा, विनय मोहन.* ***शोध प्रविधि****, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली. 2001.*
- *शर्मा, सरनाम सिंह.* ***शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका****: आत्माराम एण्ड संस दिल्ली. 2001*
- *सिंह उदयभानु,* ***अनुसंधान का विवेचन****: हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली 1992.*
- *सिंहल, बैजनाथ ,* ***शोध स्वरूप एवं व्यवहारिक कार्यविधि****. दि मैकमिलन कंपनी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड. नई दिल्ली. 1998.*

वेब सर्च :

- *https://archive.mu.ac.in/myweb_test/TYBA%20study%20material/Hindi%20Sahitya%20Ka%20Etihas.pdf*
- *https://www.becometeach.in/2022/02/blog-post.html*

Course Title : शोध-प्रस्ताव (Research Proposal)
Course Code : MHD398

L	T	P	Cr
0	0	8	4

Course Outcomes

सीखने के परिणाम

पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद शिक्षार्थी सक्षम होगा

1. संबंधित साहित्य को एकत्रित करने, समीक्षा करने और उसका विश्लेषण करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगा।
2. परिकल्पना तैयार करने और अनुसंधान प्रक्रिया को डिजाइन करने के लिए ज्ञान को लागू करना।
3. ऐसे शोध शीर्षक खोजें जो महत्वपूर्ण, लागू और शोध योग्य हों।
4. सांख्यिकीय रणनीतियों को डिजाइन करने और संदर्भ, ग्रंथसूची और वेबलियोग्राफ़ी लिखने के लिए निष्कर्षों की व्याख्या करें।

पाठ्यक्रम सामग्री

एक शोध प्रस्ताव में शोध प्रक्रिया में शामिल सभी प्रमुख तत्व शामिल होते हैं और शोध के संचालन के लिए विस्तृत जानकारी का प्रस्ताव होता है।

छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे इन चरणों का पालन करते हुए **अपनी पसंद के किसी भी शोध क्षेत्र का शोध प्रस्ताव तैयार करें:**

1. विषय का चयन
2. अनुसंधान क्षेत्र का महत्व
3. परिकल्पना/अनुसंधान प्रश्नों का निर्माण
4. संबंधित साहित्य की समीक्षा
5. विधि एवं प्रक्रिया (नमूना एवं डिज़ाइन शामिल है)
6. डेटा संग्रह और प्रस्तावित सांख्यिकीय विश्लेषण
7. परिसीमन
8. संदर्भ/ग्रंथ सूची

मूल्यांकन

छात्रों को ऊपर दिए गए प्रत्येक विषय की लेखन प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी, जिसका मूल्यांकन प्रत्येक सप्ताह के अंत में किया जाएगा। इसमें प्रत्येक 8 अंक का होगा। अंतिम प्रस्ताव 15 अंक, वाइवा 16 अंक और उपस्थिति 5 अंक का होगा।

लेन-देन मोड

सहयोगात्मक शिक्षण, समूह चर्चा, ईटीम शिक्षण, गतिविधियाँ, मूल्यांकन, सहयोगात्मक शिक्षण, सहकर्मी शिक्षण, वीडियो आधारित शिक्षण, प्रश्नोत्तरी, खुली बातचीत, ई टीम शिक्षण, केस विश्लेषण, फ़्लिप्ड शिक्षण

Course Title: नैतिक मूल्य एवं बौद्धिक सम्पदा (Ethics and IPR)
Course Code: MHD312

L	T	P	Cr
2	0	0	2

Learning Outcomes **Total Hours: 30**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. शोधार्थी भारतीय समाज एवं उससे सम्बद्ध मूल्यों तथा मूल्यों की उपयोगिता से परिचित होंगे।
2. शोधार्थी नैतिक मूल्यों के स्वरूप, व्यक्तित्व के विकास में नैतिक की भूमिका, सामाजिक उपयोगिता एवं नैतिक परिवेश में आयी गिरावट से परिचित होंगे।
3. शोधार्थी समाज के वर्त्तमान स्वरूप, नैतिकता, सत्संकल्प एवं नैतिक आदर्श से परिचित होंगे।
4. शोधार्थी शोध के साथ नैतिक मूल्यों के अन्त:संबंध को समझ सकेंगे।

Course Content

भाग (क) **8 Hours**

1. भारतीय समाज और मूल्य
2. मूल्य,अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
3. मूल्यों की आवश्यकता
4. मूल्यों का वर्गीकरण : सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, नैतिक, सांस्कृतिक

भाग (ख) **7 Hours**

1. नैतिक मूल्य का स्वरूप
2. व्यक्तित्व के विकास में नैतिक मूल्यों की भूमिका
3. नैतिक मूल्यों की सामाजिक उपादेयता
4. नैतिक पर्यावरण का ह्रास

भाग (ग) **7 Hours**

1. समाज का वर्त्तमान स्वरूप एवं मूल्यों की आवश्यकता
2. नैतिकता और सत्संकल्प
3. नैतिकता और आदर्श

भाग (घ) **8 Hours**

1. बौद्धिक सम्पदा: अर्थ और स्वरुप
2. शोध और नैतिक मूल्य
3. साहित्यिक अनुकृति से बचाव
4. बौद्धिक ईमानदारी
5. प्रकाशन नैतिकता

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

- *पाण्डे, प्रो. गोविन्द चन्द्र (2005). मूल्य मीमांशा, राका प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *द्विवेदी, प्रो. ब्रजवल्लभ(1998) भारतीय संस्कृति के आयाम, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय : नई दिल्ली*
- *शल्भ, यशदेव (1969) संस्कृति: मानवकर्तृव की व्याख्या, सामाजिक विज्ञान हिंदी रचना केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय : जयपुर.*

वेब सर्च

- *https://www.gkexams.com/ask/48540-Naitik-Mulyon-Ka-Mahatva*
- *https://www.worldwidejournals.com/paripex/recent_issues_pdf/2016/October/naitik-avam-samajik-mulyo-ka-mahatva_October_2016_1506094949_9308498.pdf*
- *https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/B.A.-III%20(Sociology)%20(Option-I)%20(Indian%20Society).pdf*

Course Title: PROFICENCY IN TEACHING

Course Code: MHD397

L	T	P	Credits
2	0	0	2

Total Hours: 30

Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:

1. शिक्षार्थी-केंद्रित अनुदेशात्मक योजनाएँ और सीखने के परिणाम डिज़ाइन करें।
2. शिक्षार्थियों को संलग्न करने के लिए नवीन शिक्षण रणनीतियों और प्रौद्योगिकियों को लागू करें।
3. विद्यार्थियों के सीखने का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न मूल्यांकन विधियों का विश्लेषण करें।
4. शिक्षण अनुभवों पर चिंतन करें और शिक्षण प्रथाओं में लगातार सुधार करें।
5. प्रभावी संचार और कक्षा प्रबंधन कौशल विकसित करें।

शिक्षार्थी-केंद्रित अनुदेशात्मक योजनाएँ और अधिगम का प्रारूप बनाना सीखेंगे ।
शिक्षार्थियों को संलग्न करने के लिए नवीन शिक्षण नीतियों और प्रोद्यौगिकी को लागू करने का ज्ञान होगी ।
शिक्षार्थी अधिगम को विश्लेषित करने एवं मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न विधियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
शिक्षार्थी शिक्षण अनुभवों पर चिंतन करना और शिक्षण प्रथाओं में लगातार सुधार करना सींखेंगे ।

Course content

यूनिट 1: **8 घंटे**

पाठ्यक्रम और उसके उद्देश्यों का अवलोकन - 1-2 सिद्धांत निर्दिष्ट करें या शिक्षण के लिए सीखने के सिद्धांतों का अवलोकन दें - सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक और छात्र की भूमिका को समझना - स्पष्ट और मापने योग्य सीखने के परिणाम लिखना -
अर्थ प्रकृति, परिभाषा, दायरा और महत्व शिक्षाशास्त्र, एंड्रैगोजी और ह्यूटागोजी - शिक्षण के लिए कौशल-आधारित दृष्टिकोण (शिक्षण कौशल), सूक्ष्म-शिक्षण, मैक्रो शिक्षण। शिक्षण के तरीके और दृष्टिकोण - सीएएम, संरचना-कार्य दृष्टिकोण, सिंथेटिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, न्यायशास्त्रीय पूछताछ मॉडल

पाठ्यक्रम और उसके उद्देश्यों का अवलोकन – अधिगम के सिद्धांत और शिक्षण के लिए उनके निहितार्थ – जानने की प्रक्रिया में शिक्षक और छात्र की भूमिका को समझना - स्पष्ट और मापने योग्य सीखने के परिणाम लिखना – अर्थ, प्रकृति, परिभाषा, दायरा और महत्व पेडागोजी, एंड्रागोजी और ह्यूटागोजी - शिक्षण के लिए कौशल-आधारित दृष्टिकोण (शिक्षण कौशल), सूक्ष्म-शिक्षण, मैक्रो शिक्षण - शिक्षण के तरीके और दृष्टिकोण – सी.ए.एम. संरचना-कार्य दृष्टिकोण, सिंथेटिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, न्यायशास्त्रीय पूछताछ मॉडल

यूनिट 2: **7 घंटे** शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं और पृष्ठभूमियों को समझना - एक समावेशी और सहायक शिक्षण वातावरण बनाना - सक्रिय शिक्षण और छात्र सहभागिता नीतियों को सुविधाजनक बनाना

व्याख्यान, चर्चाएँ और प्रदर्शन - समूह कार्य, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षा - समस्या-आधारित शिक्षा, केस अध्ययन और सिमुलेशन

यूनिट 3 : **7 घंटे**

समेकित प्रोद्यौगिकी उपकरणों को एकीकृत करना - ऑनलाइन, मिश्रित शिक्षण, फ्लिप्ड लर्निंग और एम-लर्निंग दृष्टिकोण - शैक्षिक सॉफ्टवेयर और प्लेटफार्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना-
रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन विधियाँ - शैक्षणिक प्रभाव, मूल्यांकन और माप के बीच अंतर, ई-मूल्यांकन उपकरण

यूनिट 4 : **8 घंटे**

शिक्षण में चिंतनशील अभ्यास का महत्व - शिक्षण प्रभावशीलता का स्व-अभ्यास और मूल्यांकन - व्यावसायिक विकास की आवश्यकता - बहुसांस्कृतिक और अंतर्राष्ट्रीय कक्षाओं में शिक्षण - सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण पद्धति - शिक्षण पद्धति का अर्थ, परिभाषा - धारणाएँ, महत्व, भूमिका और शिक्षण पद्धति के प्रकार- ऐतिहासिक शिक्षण मॉडल, शिक्षण का दार्शनिक मॉडल

SUGGESTED READINGS

अली, एल. (2012). शिक्षक शिक्षा. नई दिल्ली: एपीएच प्रकाशन निगम।

आनंदन, के. (2010). शिक्षक शिक्षा में अनुदेशात्मक प्रौद्योगिकी. नई दिल्ली: एपीएच प्रकाशन निगम।
ब्रूस आर जॉयस और मार्शा वेइल, मॉडल्स ऑफ टीचिंग, प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1985।
चालन, के.एस. (2007). शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन का परिचय. नई दिल्ली: अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
चंद, टी. (2008). शिक्षण के सिद्धांत. नई दिल्ली: अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
चिनिवार, पी.एस. (2014). शिक्षण की तकनीक. नई दिल्ली: अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
कर्ज़न, एल.बी., और टुमन्स, जे. (2004). भविष्य की शिक्षा में शिक्षण। यू.एस.ए.: ब्लूम्सबरी अकादमिक प्रकाशन।
दास, आर.सी. (1993): एजुकेशनल टेक्नोलॉजी - ए बेसिक टेक्स्ट, स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट। लिमिटेड
इवाउत, एम. शैक्षिक प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय विश्वकोश।
गेज एन एल, हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन टीचिंग, रैंड मैक नैली एंड कंपनी, शिकागो, 1968।

ग्रीम, के. (1969). ब्लैकबोर्ड टू कंप्यूटर्स: ए गाइड टू एजुकेशनल एड्स, लंदन, वार्ड लॉक।
हास, के.बी. और पैकर, मुख्यालय (1990). ऑडियो विजुअल एड्स की तैयारी और उपयोग, तीसरा संस्करण, प्रेंटिस हॉल, इंक।
हसीन ताज (2006). आधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी, आगरा: एच.पी.भार्गव बुक हाउस।
जार्विस, एम. (2015). कक्षा में आईसीटी के लिए शानदार विचार। न्यूयॉर्क: रूटलेज प्रकाशन।
कुमार, के.एल. (2008). एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, न्यू एज इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड प्रकाशक, नई दिल्ली (दूसरा संशोधित संस्करण)।
कुमार, पी. (2015). शिक्षा में वेब आधारित प्रौद्योगिकी। नई दिल्ली: एपीएच प्रकाशन निगम।
मंगल, एस.के. (2014). उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान. नई दिल्ली: पीएचआई लर्निंग प्रा. लिमिटेड

Course Title: (Computer Application)
Course Code: MHD314

L	T	P	Cr.
0	0	4	2

Learning Outcomes: **Total Hours: 30**

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. शोधर्थियों को माइक्रोसॉफ्टऑफिस के विषय में पूर्ण जानकारी होगी।
2. शोधर्थियों वेब सर्चकीकी आवश्यकता व महत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।
3. ई कंटेंट को समझते हुए उसके उपयोगिता एवं प्रासंगिकता की जानकारी होगी।
4. कम्प्यूटर की शब्दावली, कम्प्यूटर के माध्यम से शोध प्रबंध ,शोध पत्र आदि की टाइपिंग सुविधा की जानकारी होगी।

Course Content:

Unit I **10 Hours**

1. माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन आदि
2. हिंदी टाइपिंग

Unit II **8 Hours**

1. वेब सर्च में चार्ट/ग्राफ बनाना, इंटरनेट, गूगल आदि का उपयोग करना।

Unit III **6 Hours**

1. ई कंटेंट का उपयोग।

Unit IV **6 Hours**

1. कम्प्यूटर की शब्दावली, शोध प्रबंध लेखन में कंप्यूटर की उपयोगिता।

Transaction Mode

व्याख्यान, परियोजना पद्धति, संगोष्ठी, समूह चर्चा, ट्यूटोरियल, ई-लर्निंग, प्रदर्शन, अर्थमितीय सॉफ्टवेयर एसपीएसएस के साथ प्रयोग।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

- *सिंपल स्टेप्स में ऑफिस 2007, कोजेंट सॉल्यूशंस, (विली पब्लिशर्स)।*
- *एम. एस. ऑफिस 2007 प्रशिक्षण गाइड, एस. जैन (बी. पी. बी प्रकाशन)*

Course Title: Service Learning
Course Code: MHD396

L	T	P	Cr.
0	0	4	2

Learning Outcomes

कोर्स पूरा होने पर छात्र सक्षम हो सकेंगे

1. संबंध स्थापित करने और रिश्ते बनाने के लिए सामुदायिक गतिविधियों में भाग लें।
2. समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत के माध्यम से समुदाय की जरूरतों का मूल्यांकन करें।
3. समुदाय की जरूरतों को पूरा करने वाली पहलों का विकास और कार्यान्वयन करें।
4. व्यक्तिगत विकास, सामुदायिक प्रभाव और सेवा गतिविधियों से संबंधित नैतिक विचारों पर विचार करें।

पाठ्यक्रम सामग्री

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सार्थक सेवा-शिक्षण गतिविधियों में शामिल करना है जो सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। छात्र समुदाय-आधारित परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेंगे, समुदाय के सदस्यों और संगठनों के साथ सहयोग करेंगे और उनकी सेवा गतिविधियों के प्रभाव को प्रतिबिंबित करेंगे। इस अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से, छात्र सामुदायिक आवश्यकताओं की गहरी समझ विकसित करेंगे, विविध हितधारकों के साथ संबंध बनाएंगे और सामुदायिक विकास में योगदान देंगे।

इस पाठ्यक्रम में, छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरे सेमेस्टर के दौरान समुदाय में मौजूद रहें और उनके साथ काम करने के बाद नियमित रूप से उनके अनुभवों पर विचार करें। छात्र सेवा शिक्षण प्रदान करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण का उपयोग करेंगे। वे प्रमुख सैद्धांतिक, पद्धतिगत और व्यावहारिक मुद्दों का विश्लेषण और समझ रखने में सक्षम होंगे।
समुदाय से संबंधित 10 गतिविधियों का चयन करें जिन्हें आस-पास के गांवों में किया जाना है। 8-10 के समूह में छात्र एक गतिविधि पर काम करेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड

1. प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन उसी दिन 10 अंकों में से किया जाएगा।
2. 100 में से कुल 10 गतिविधियों का मूल्यांकन कर परीक्षा शाखा को प्रस्तुत किया जाएगा।

गतिविधि मूल्यांकन

1. गतिविधि का प्रकार- 2 अंक
2. विद्यार्थी की भागीदारी- 2 अंक
3. गतिविधि में संलग्नता- 2 अंक
4. गतिविधियों का परिणाम- 2 अंक
5. उपस्थिति- 2 अंक

गतिविधि मूल्यांकन

1. गतिविधि का प्रकार- 2 अंक
2. विद्यार्थी की भागीदारी- 2 अंक
3. गतिविधि में संलग्नता- 2 अंक
4. गतिविधियों का परिणाम- 2 अंक
5. उपस्थिति- 2 अंक

लेनदेन मोड

समस्या-समाधान शिक्षण, मिश्रित शिक्षण, गेमिफिकेशन, सहकारी शिक्षण, पूछताछ-आधारित शिक्षण, विज़ुअलाइज़ेशन, समूह चर्चा, अनुभवात्मक शिक्षण, सक्रिय भागीदारी।

Semester - IV

Course Name: लघु शोध प्रबंध

L	T	P	Cr
0	0	0	20

Course Code: MHD401

Learning Outcomes:

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र इनमें सक्षम हो सकेंगे ।

1. छात्र अपनी रुचि से शोध क्षेत्र का चयन करेंगे।
2. अनुसंधान क्षेत्र में अंतराल की पहचान करेंगे।
3. अनुसंधान के लिए क्षेत्र के महत्त्व का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. मानक प्रारूप का उपयोग कर संदर्भ और सन्दर्भ ग्रन्थ सूची लिखने में सक्षम होंगे।

छात्र सेमेस्टर की शुरुआत से पहले दो हफ्तों के भीतर अपने शोध निर्देशक / संकाय सदस्य के निर्देश के साथ अपनी पसंद के क्षेत्र का चयन करेंगे. ई-संसाधनों, डेटा बेस और अन्य संबंधित सामग्री से परामर्श करेंगे। वे चुने गए क्षेत्र पर एक थीम पेपर भी लिखेंगे।

चयनित विषय पर दो प्रस्तुतियां होंगी -

1. पहली प्रस्तुति सेमेस्टर के 6-7 सप्ताह के दौरान आयोजित की जाएगी। विभाग के दो परीक्षक निम्नलिखित मानदंडों पर इसका मूल्यांकन करेंगे।

- चयनित विषय क्षेत्र की सामग्री
- क्षेत्र का महत्त्व
- तकनीकी प्रस्तुति
- सवालों के जवाब

प्रस्तुति 30-40 मिनट की होगी। अवधि। पहले मूल्यांकन में 20 अंक होंगे। दूसरी प्रस्तुति सेमेस्टर के 12-13 सप्ताह के दौरान आयोजित की जाएगी और इसमें 30 अंक शामिल होंगे। मूल्यांकन के मानदंड और प्रस्तुति की अवधि ऊपर उल्लिखित के समान होगी।